



मुंबई वीरेंद्र सहवाग के शतकने कंग्स इलेवन पंजाब को आईपीएल फाइनल

में पहुंचा दिया और इस सलामी बल्लेबाज ने केच संजय बांग की तुलना पूर्व भारतीय केच गैरी कस्टन से की, जिनके मार्गदर्शन में टीम ने 2011 विश्व कप खिताब अपने नाम किया था।

सहवाग ने मैच के बाद क्लब यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, “हमारी टीम के केच संजय बांग ने शानदार काम किया है। उसने सभी के प्रेरित किया। आप संजय बांग की तुलना गैरी कस्टन से कर सकते हो, दोनों बहुत अच्छे हैं। बांग उतने ही शांत हैं जितने कस्टन।”

इस 35 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने बीती रात 58 गेंद में 122 रन की शतकीय पारी खेली जिससे कंग्स इलेवन पंजाब ने चेन्नई सुपरकंग्स के खिलाफ 226 रन का विशाल लक्ष्य खड़ा किया। सहवाग ने कहा कि लंबे समय से उन्हें कब पारी का इंतजार था।

{loadposition user13}

उन्होंने कहा, “मेरी कलंबी पारी बाकी थी लेकिन यह क्लब आगे गी, मैं नहीं जानता था। यह अगर प्लेऑफ के समय में आई है तो अच्छा है। आप जानते हो कि अगर आप अच्छा नहीं खेलोगे तो आप टूर्नामेंट से बाहर हो जाओगे। मेरा प्रयास था कि मैं अच्छा खेलूं और बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी टीम के जीतने में मदद करूं।”

सहवाग ने कहा, “कब पारी का लंबे समय के बाद आई है।” उन्होंने कहा, “जब मैं टीम से बाहर था तो हर कोई मुझसे उम्मीद कर रहा था, हर कोई उम्मीद लगा था कि मैं प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक और दोहरा शतक जमाऊंगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।”

सहवाग ने कहा, “जब आपको समय ठीक नहीं चल रहा होता तो आप कुछ नहीं कर सकते। मैं सबकुछ चीज सही कर रहा था लेकिन रन नहीं जुटा रहा था।”

उन्होंने कहा, “आज शायद मेरा दिन था और मैंने खुद से कहा कि चेन्नई को मेरी पारी का खामयाजा भुगतना चाहिए।” दिल्ली के इस खिलाड़ी ने कहा कि वह अपनी तकनीक पर काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, “तकनीक इतनी अच्छी नहीं है इसलिए मुझे इसे सही करना होगा। मुझे खुद का समर्थन करना होगा और खुद पर भरोसा रखना होगा तथा क्रीज पर शत प्रतिशत प्रदर्शन करना होगा। अगर मैं चल गया तो दूसरी टीम को भुगतना होगा और मैं नहीं चला तो हमारी टीम को भुगतना होगा।”

(भाषा)